राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा , रेवाड़ी

शिक्षा मानवता का अभिन्न अंग सदा से ही रहा है। वस्तुतः यही वह आयाम है जो मानव और सभ्यता के बीच सेतु का काम करता है। वेदों में भी लिखा है की बिना शिक्षा मानव मात्र पशु-रूप ही है यदि आज के हालात पर नज़र डालें तो स्पष्ट होगा की शिक्षा की अनुपस्थिति अपराध व शोषण का मुख्य आधार है। राजकीय महाविद्यालय खरखड़ा , ग्रामीण परिवेष में शिक्षा के प्रसार के क्षेत्र में एक मज़बूत कड़ी के रूप में निरंतर कार्यरत है। यह संस्थान सदैव समाज के शैक्षिक व बौद्धिक उत्थान एवं विकास के क्षेत्र में कार्य करता रहेगा।